## वेतन से 50 रु. काटे जाने को अनुचित बताया

मंडी, 1 फरवरी (निस)। हिमाचल पथ परिवहन निगम मंडी कंडक्टर यूनियन के कुछ नेताओं ने अपना फरवरी माह का वेतन लेने से आज इस लिए इंकार कर दिया कि उनके वेतन से 50 रुपए की राशि इस लिए काटी जा रही है कि यह कंडक्टरों के कल्याण पर व्यय की जाएगी। इसके लिए एक वेलफयर कमेटी का गठन भी क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय स्तर पर किया गया ।

यूनियन के प्रदेश महासचिव का कहना है कि इन पैसों का प्रयोग सही ढंग से नहीं हो रहा है और 50 रूपए वेतन से काटे जाना अनुचित है। महासचिव का कहना है कि इसे लेकर मंडी बस अड्डा में एक बैठक बुलाई जिसमें 58 कंडक्टर शामिल हुए ।

यूनियन का कहना है कि जो व्यक्ति पैसा देना चाहे उसी का पैसा वेतन से काटा जाए अन्यथा नहीं।

# पेपर मिलों की मनमानी अब नहीं करेंगे सहन : गोयल

बद्दी, 1 फरवरी (निस)। उत्तर भारत समेत हिमाचल की पेपर मिलों द्वारा गत्ता उद्योग में प्रयोग होने वाले क्राफ्ट पेपर के मनमाने रेट बढ़ाने से राज्य के गत्ता उद्योग तालाबंदी के कगार पर पहुंच गए हैं।

इसी को लेकर बीबीएन पैकेजर्स एसोसिएशन की एक हंगामी बैठक संघ के प्रधान बलदेव कृष्ण गोयल की अध्यक्षता में हुई जिसमें प्रांतीय उपाध्यक्ष मुकेश जैन ने विशेष तौर पर शिरकत की। बीबीएन गत्ता उद्योग संघ के सदस्यों ने एकमत होकर कहा कि पेपर मिलों द्वारा एक संघ बनाकर पेपर का रेट मनमाने तरीके से बढ़ाया गया है जिसको अब सहन नहीं किया जाएगा और इसके विरोध में एक दिन की हड़ताल रखी जाएगी।

अध्यक्ष बलदेव कृष्ण व महासचिव सुरेंद्र जैन ने कहा कि अब तो स्थिति यह पहुंच गई है कि पेपर मिल्स मालिक थोड़े-थोड़े दिन के लिये अपनी मिल बन्द करके पेपर की कमी दिखाकर रेट को पिछले एक महीने में 4-5 रुपये बढ़ा रहे हैं जबकि गत्ता उद्योग सिर्फ एक रुपये किलो पर ही कार्य करता है। उसे इस समय 3-4 रुपये किलो का नुकसान

## बोले : बढ़ते रेटों से गत्ता उद्योग का हो रहा 'उत्पीड़न'

हो रहा है। इसके साथ सिटिनिंग वायर, गम तथा मजदूरों की मजदूरी भी अत्यधिक बढ़ गयी है वह भी नुकसान हो रहा हैं हमारे ग्राहक ने अभी तक कोई भी रेट नहीं बढ़ाये हैं जिसके कारण नुकसान बढता जा रहा है। उधर हिमाचल में पैकेज के कारण पैकिंग उद्योग इतने ज्यादा लग गये हैं उसके कारण इस उद्योग में वैसे ही बहुत ज्यादा कम्पीटीशन है।

सुरेंद्र जैन ने कहा कि ग्राहक इस उद्योग को वैसे ही पेमेन्ट 90-100 दिन में देते है। अगर यही स्तिथि रही तो कुछ दिनों में यह उद्योग बन्द हो जायेगा। इस समय बद्दी बरोटीवाला नालागढ़ में 125 से अधिक इकाई लगी हुई हैं तथा पूरे हिमाचल में इस उद्योग की लगभग 200 से ज्यादा ईकाई हैं, जिनका पेपर मिल्स द्वारा उत्पीड़न किया जा रहा है। जबकि हम पूर्ण हिमाचल में लगभग 10000 टन माल खरीदते हैं। इस उद्योग से हिमाचल में 1000 से ज्यादा परिवार रोजी रोटी से जुड़े है यही उद्योग जबकि सेब की पैकिंग के लिये डब्बों की आपूर्ति भी करता है। अब सेब के डिब्बें की किमत पिछले वर्ष के मुकाबले में लगभग 25 से 30 प्रतिशत बढ जायेगी। अगर हमारे ग्राहक इस गंभीर स्तिथि को नहीं समझते हैं तो उद्योगों के बन्द होने पर मजबूर होना पड़ेगा।

जनरल सेक्रेटरी सुरेन्द्र जैन ने बताया कि हमारी एक विशेष बैठक काला अंब में 3 फरवरी को हो रही है जिसमें सभी पदाधिकारी परवाणु बीबीएन काला अंब, ऊना, सोलन से आ रहे हैं। अगर कोई ठोस निर्याण नहीं हुआ तो उद्योगों की स्थिति बहुत गंभीर हो जायेगी जिसमें बैंकों के लगभग 100 करोड़ से ज्यादा डूबने की आशंका है। गत्ता उद्योग संघ ने अपने ग्राहकों से अपील है कि हमारे रेट कम से कम 20 प्रतिशत बढ़ाएं नहीं तो हिमाचल की आर्थिकी को भी भारी धक्का लगेगा।